

न्यायालय श्रीमान् अश्रु, माननीय राजस्व मण्डल ग्वालियर कैम्प, उज्जैन म.प्र. ।

/2006-07 निगरानी

प्रकरण क्रमांक-

48

R 577-II/07

श्री देवराज जोशी

अभिभाषक कर

उज्जैन म.प्र. ५१५२

29/3/07

1- शिवराम पिता अमृतराम मीणा, नि. लसुडियाईला.

2- गोपाल नाबालिग पिता रामरतन कुमावत,

द्वारा सरपरस्त दादा गोविन्दराम पिता जगन्नाथ

निवासी-सरसोद, तहसील एवं जिला मन्दसौर म.प्र. ।

--- निगरानीकर्ता / आवेदक

विरुद्ध

1- श्रीमती पेपाबाई पति हीरालाल मीणा

निवासी-लसुडियाईला तह. व जिला मन्दसौर म.प्र. ।

2- ग्राम पंचायत लसुडियाईला,

तहसील एवं जिला मन्दसौर म.प्र. । ---- अनावेदक

न्यायालय श्रीमान् अनुविभागीय अधिकारी महोदय, उप-डि

मन्दसौर म.प्र. । के प्रकरण क्रमांक-83/अपील 2004-05 में पारित

आदेश दिनांक 25/1/2007 से असंतुष्ट एवं दुःखीत होकर उक्त -

निगरानी आवेदन पत्र भू राजस्व संहिता की धारा 50 के अंतर्गत

प्रस्तुत है ।

माननीय महोदय,

प्राचीं आवेदकगण की ओर से निगरानी आवेदन पत्र निम्नलिखित

प्रस्तुत है :-

// प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य //

यह कि, ग्राम लसुडियाईला, तहसील मन्दसौर में प्राचीं शिवराम

के नाम से अधिकार अभिलेख राजस्व में भूमि सर्वे नं. 74 रकबा 0.50 आरे भूमि-

प्राचीं को शै दत्तक पुत्र भैरूलाल जी की मृत्यु के बाद प्राचीं का व भैरूलाल जी -

की पत्नी कस्तूरा बाई का नामांतरण उपरोक्त कृषि भूमि पर किया गया । -

कस्तूरा बाई का स्वर्गवास वर्ष 1999 में होकर प्राचीं का सम्पूर्ण भूमि पर नामांत-

रण किया गया और उपरोक्त खाता सर्वे नं. 74 रकबा 0.50 आरे स्थित ग्राम

लसुडियाईला पर प्राचीं के अलावा अन्य किसी का राजस्व अभिलेख में नाम नहीं

है और उपरोक्त आदेश अंतिम हो चुके हैं जिस पर कभी भी अनावेदक क्र. 1 के

आवेदन नहीं किया है । अनावेदक क्र. 1 सात बहनें हैं परन्तु किसी

आवेदन नहीं किया है । अनावेदक क्र. 1 सात बहनें हैं परन्तु किसी

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश - ग्वालियर

50

48

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक - R577/I 107

जिला - मंत्रालय

स्थान एवं दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभाषकों
आदि के हस्ताक्षर

31.7.19

आवेदक की ओर से यह निगरानी अनुवृत्ति आदेश के प्रकरण क्रमांक 83/अनुवृत्ति/04.05 में पारित आदेश दिनांक 25.1.07 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। म.प्र. भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुए संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संशोधित संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत यह प्रकरण सुनवाई हेतु कलेक्टर मंत्रालय को भेजा जाता है। उभयपक्ष प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 14.10.19 को कलेक्टर मंत्रालय के समक्ष उपस्थित हों।

(महेश चन्द्र चौधरी)
सदस्य